महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में भाग लिया। प्रवासी राजस्थानियों ने उनका भावभीना स्वागत किया।

क्या कांग्रेस नेता समरावता में ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करने से डर रहे हैं ?

प्रदेश कांग्रेस की ओर से इस घटना पर सोशल मीडिया में बयान देकर मात्र औपचारिकता निभाई गई

जयपुर, 17 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान की देवली उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव में मतदान के दिन हुए थप्पड़ कांड के बाद कांग्रेस की भूमिका को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। इतने बड़े प्रकरण के बावजूद किसी भी कांग्रेस नेता का वहां नहीं जाना और कांग्रेस नेताओं की ओर से किसी भी तरह का कदम नहीं उठाया जाना, कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि, देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में मतदान के दिन निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा और एस.डी.एम. अमित चौधरी के बीच हुए विवाद के बाद नरेश मीणा ने चौधरी के थप्पड़ मारा था और उसके बाद समरावता गांव में रात को आगजनी के अलावा पुलिस तथा ग्रामीणों के बीच संघर्ष हुआ था। इसके बाद अगले दिन नरेश मीणा की गिरफ्तारी हुई थी और साथ ही करीब 81 लोगों को नामजद आरोपी बनाकर 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। तथापि, घटनाक्रम के 5

■ दूसरी ओर मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने समरावता गाँव का दौरा किया व ग्रामीणों के पक्ष में बयान भी दिया।

दिन बीत जाने के बावजूद न तो टोक सवाई माधोपुर के सांसद हरीश मीणा का कोई बयान आया ,ना अपने ही संसदीय क्षेत्र के समरावता गांव में वे पहुंचे। इतना ही नहीं, देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार रहे के सी मीणा भी इस पूरे मामले के बावजूद अभी तक नदारद हैं। प्रदेश कांग्रेस की ओर से भी इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर बयान देने की औपचारिकता निभाई गई है। ऐसे में सवाल यह उठ रहे हैं कि क्या कांग्रेस के लिए यह घटना कोई मायने नहीं रखती है, जबकि गुर्जर और मीणा वर्ग कांग्रेस का इस क्षेत्र में वोटर माना जाता है।

कांग्रेस जहां इस मामले में चुप्पी साधे बैठी है, वही, दूसरी ओर मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने गांव का दौरा करके ग्रामीणों के पक्ष में बयान भी दिया है। दूसरी ओर देवली उनियारा विधानसभा से 2023 का विधानसभा चुनाव हारे विजय बैंसला ने भी दौरा करके ग्रामीणों से चर्चा की है।

इस पूरे प्रकरण को लेकर कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने पहले तो देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा से कांग्रेस में आए के.सी. मीणा को बिना पार्टी का सदस्य बने ही टिकट दे दिया। ऐसे में चुनाव के दौरान कांग्रेसजन पार्टी उम्मीदवार के साथ नहीं लगे और अधिकांश कार्यकर्ता नरेश मीणा के साथ चले गए। हालांकि, कुछ लोग औपचारिकता निभाने के लिए कांग्रेस के मंचों पर भी नजर आते रहे। अब जब इतना बड़ा घटनाक्रम हो गया, तो सवाल यह उठ रहा है कि आखिरकार क्यों क्षेत्र के सांसद अभी तक इस मामले को लेकर गांव में जाना तो दूर ,एक बयान तक जारी नहीं कर पाए। हालांकि विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष, रामकेश मीणा ,विधायक घनश्याम मेहर, इंदिरा मीणा और कोटा संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार रहे प्रहलाद गुंजल ने समरावता गांव की घटना की निंदा करते हुए सरकार से मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से करने की मांग की है।

इस मामले को लेकर खुद टोंक जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रदेश कांग्रेस को इस मामले में आगे बढ़कर जांच कमेटी बनाकर उस गांव में भेजनी चाहिए थी, जहां प्रशासन ने ग्रामीणों के साथ में मारपीट की। लेकिन प्रदेश कांग्रेस ने इस मामले में चुप्पी साधकर एक तरह से क्षेत्र में कांग्रेस का बड़ा नुकसान कर दिया है। कहा जा रहा है कि क्षेत्रीय सांसद और उपचुनाव में पार्टी के प्रत्याशी बने नेता इसलिए घटनाक्रम को लेकर चुप्पी साधे बैठे हैं ,कि गांव के लोग पूरी तरह से नरेश मीणा के पक्ष में लगातार बयान दे रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के नेता उस गांव में जाकर ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करने से डर रहे हैं।

जहाँ न पहुँचे बैलगाड़ी, वहाँ पहुँचे मारवाड़ी-भजनलाल

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने जलगाँव व नागपुर में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में भाग लिया

नागपुर, 17 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्षों पूर्व नागपुर की ऐतिहासिक धरती से "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ" के रूप में राष्ट्रीयता का एक ऐसा दीपक जला, जो आने वाले समय में पूरी दुनिया को राह दिखाएगा। उन्होंने कहा , अगले वर्ष 2025 में संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में हमें राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी को समझते हुए हमारी भूमिका तय करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने रविवार को नागपुर में विभिन्न स्थानों पर, विधानसभा चुनाव में नागपुर व विदर्भ के समस्त महायुति गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों को संबोधित किया। रजवाड़ा पैलेस में आयोजित राजस्थान सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने देशहित में अपने आप को समर्पित कर दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के बाद देश को दिशा देने के लिए कैबिनेट मंत्री के पद से त्यागपत्र देकर जनसंघ के रूप में कुछ लोगों का राष्ट्रवादी संगठन बनाया, जो आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी, भाजपा

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच एक अनूठा रिश्ता है। राजस्थान महाराणा प्रताप की शौर्य भूमि है, तो महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी की वीरता की गाथा कहता है।

बन गया है।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने वर्षों के शासनकाल में भ्रष्टाचार से देश को लूटा और अफवाएं फैलाकर लोगों को बरगलाने का प्रयास किया। पिछले लोकसभा चुनाव में भी वे आरक्षण के नाम पर लोगों को भ्रमित करने आए थे, मगर आज नजर नहीं आते।

मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच एक अनूठा रिश्ता है। राजस्थान महाराणा प्रताप की शौर्य भूमि है, तो महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी की वीरता की गाथा कहता है। उन्होंने कहा कि नागपुर के गणेश टेकड़ी मंदिर के निर्माण में प्रयुक्त पत्थर राजस्थान के बंशी पहाड़पुर का है। यही पत्थर अयोध्या में राममंदिर के निर्माण में भी उपयोग में लिया गया है। यह पवित्र बंधन अयोध्या और नागपुर को जोड़ने का काम करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी भाई-बहनों ने अपनी जन्मभूमि राजस्थान से आकर महाराष्ट्र को कर्मभूमि बनाया तथा कर्म, मेहनत और व्यवहार से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। मुख्यमंत्री ने "जहां न पहुंचे रेलगाड़ी, वहां पहुंचे बैलगाड़ी और जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी" का उदाहरण देते हुए कहा, मैं देश-दुनिया में जहां भी जाता हूं, वहां मुझे हमारे राजस्थानी भाई-बहन मिल जाते हैं। मेरी हाल ही की विदेश यात्राओं के दौरान भी बड़ी संख्या में हमारे राजस्थानी भाई-बहन मुझसे मिलने पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया और राजस्थान में निवेश करने के लिए कहा उन्होंने कहा, राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी राजस्थान देश में अग्रणी राज्य है।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों से आ ान किया कि वे नागपुर व विदर्भ की विधानसभा सीटों पर महायुति गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिताएं और महाराष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए डबल इंजन की सरकार बनवाएं।

कार्यक्रम में जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित, पूर्व विधायक गिरीश व्यास सहित भाजपा पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नागपुर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री जहां-जहां भी पहुंचे, लोगों में उन्हें देखने और उनसे मिलने की होड़ नजर आयी। महिलाएं, युवा और बच्चे शर्मा के साथ सेल्फी लेने को भी आतुर दिखे।

झांसी में एक शिशु की और मृत्यु

झांसी, 17 नवंबर। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र (एन.आई.सी.यू.) में हुए भीषण अग्निकांड में मरने वाले शिशुओं की संख्या बढ़ कर 11 हो गयी है।

अस्पताल प्रशासन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार जिन बच्चों का इलाज इमरजेंसी आई.सी.यू. में चल रहा था उनमें से एक की आज इलाज के दौरान मौत हो गयी। तथापि, अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इस शिशु की मृत्यु

■ अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इस शिशु की मृत्यु जलने या झुलसने से नहीं हुई, सामान्य बीमारी से हुई है।

जलने या झुलसने के कारण नहीं, बल्कि सामान्य बीमारी के कारण हुई है।

शुक्रवार देर रात हुए इस दुखद हादसे में 10 शिशुओं की मौत हो गयी थी। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वार्ड में भर्ती 49 शिशुओं में से 38 शिशुओं को सुरक्षित बचा लिया गया था इनमें से तीन की हालत गंभीर थी। तीन में से ही एक शिशु की इलाज के दौरान आज मौत हो गयी। इस तरह इस हादसे में मरने वाले शिशुओं का आंकडा अब बढ़ कर 11 हो गयी है।

भाजपा नेता यहाँ तो मंडरा रहे हैं, मणिपुर नहीं गये -कल्पना सोरेन

उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार ने झारखंड का पैसा भाजपा शासित राज्यों को भेजा

रांची,17 नवंबर। झारखंड में दूसरे चरण के चुनाव में कल्पना सोरेन ने पाकुड़ और डुमरी में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। सोरेन ने आज कहा कि डबल इंजन की सरकार ने दोगुनी ताकत से झारखण्ड की पीछे लाने का कार्य किया। भाजपा के बड़े-बड़े नेता प्रदेश में मंडरा रहे हैं, और ये उनकी सत्ता से दूर रहने की बेचैनी का प्रतीक है। शायद ही कोई बड़ा नेता बचा हो, जो झारखण्ड नहीं आया है। कुछ तो यहीं कैंप कर रहें हैं। भाजपा के लोग झारखण्ड में मंडरा रहें हैं, लेकिन मणिपुर में आदिवासी महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को देखने नहीं गए।

सोरेन ने कहा, भाजपा जब सत्ता में रही तो हजारों स्कूल बंद कर बच्चों को शिक्षा से वंचित कर दिया, 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर लोगों को अन्न के अधिकार से वंचित कर दिया। यहां के विकास का पैसा केंद्र सरकार द्वारा भाजपा शासित राज्यों को भेजकर झारखण्ड के लोगों के साथ अन्याय किया। लेकिन महा गठबंधन की सरकार

■ कल्पना सोरेन ने कहा, उनकी सरकार ने माताओं और बहनों के सम्मान की योजनायें शुरु की थीं। भाजपा के लोगों ने इस पर कोर्ट में पी.आई.एल. लगायी, पर न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया।

उत्कृष्ट विद्यालय शुरू कर बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रही है। हम आधी आबादी को मजबूत करने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहें हैं। यह राशि अब एक हजार से 2500 होने वाली है।

कल्पना सोरेन ने कहा पहले चरण के मतदान में महिलाओं ने खुलकर भागीदारी निभाई है, जिससे यह साफ साबित होता है कि महागठबंधन सरकार की मईया सम्मान योजना और महिलाओं के लिए शुरू की गई योजनाओं के प्रति उनका विश्वास गहराया है। कल्पना सोरेन ने कहा माता बहनों को जो हम सम्मान दे रहे हैं उसको लेकर भाजपा के लोगों ने माननीय न्यायालय में पी.आई.एल. दर्ज किया था, जिसे कोर्ट द्वारा खारिज कर दिया। इससे उनके मुंह में जोरदार तमाचा लगा है।

सोरेन ने कहा, हम पिछड़ों को आरक्षण देने, 1932 आधारित स्थानीय नीति और आदिवासी सरना धर्म कोड को लागू करना चाहते हैं, हमने उसे पारित कर केंद्र सरकार को भेजा, लेकिन केंद्र सरकार ने उसे दबा दिया।

शिमला के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संरक्षण में देर रात मंदिर पर कब्जा करने की कोशिश की गई और मंदिर में पथराव किया गया जिसमें कुछ लोग घायल हुए हैं। कांग्रेस का एक नेता भी पथराव में शामिल था और पुलिस मूकदर्शक बन कर सब देखती रही। देर रात ब्रह्मों समाज के लोग पूजा और ध्यान करने पहुचे थे वही राम कृष्ण मिशन के लोग भी वहां मौजूद थे। पहले दोनों तरफ से नारेबाजी हुई उसके बाद आंदोलन पर उतर आए और बाद में एक दूसरे पर पथराव हुआ। आंदोलनकारियों ने आश्रम के प्रबंधकों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है, जिसके बाद माहौल काफी तनावपूर्ण हुआ। ब्रह्मो समाज के दूसरे गुट के ट्रस्टी एमआर संगरोली ने कहा प्रॉपर्टी ब्रह्मो समाज की है और रामकृष्ण मिशन के लोगों ने इस पर कब्जा किया है। वहीं, पुलिस ने देर रात विवाद को शांत किया और प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और मामले की जांच में जुट गई है। एसपी शिमला सजीव गांधी ने बताया कि पुलिस ने मामले में दो एसआईआर दर्ज कर ली है और पथराव करने वाले कुछ लोगों की पहचान भी कर ली है। मंदिर में इस तरह के पथराव को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

तेजस्वी यादव ने भाजपा नेताओं पर सार्वजनिक सम्पत्तियाँ बेचने का आरोप लगाया

बोकारो, 17 नवंबर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर देश की सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने और महंगाई बेरोजगारी पर रोक नहीं लगाने का आरोप लगाया है।

यादव ने झारखंड में बोकारो जिले के दुग्धा स्थित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी ने महंगाई पर रोक नहीं लगाई और बेरोजगारों को रोजगार देने में असफल रही है। भाजपा इंडिया गठबंधन के नेताओं को अपनी पार्टी में मिलाने के लिए और राज्यों में अपनी सरकार बनाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) , आयकर विभाग जैसी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर इंडिया गठबंधन के निर्दोष नेताओं को भी जेल में डाल रही है लेकिन इनकी गीदड़ भभकी से हम लोग डरने वाले नहीं हैं। भाजपा देश में मात्र नफरत फैलती है और हिंदू-मुसलमान के बीच में लड़ाई लगाती है। झारखंड गठन के बाद सबसे ज्यादा शासन भाजपा ने ही किया है, फिर भी यहां के लोग बदहाल हैं। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने आरोप लगाया है कि प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के पास अब कोई काम नहीं है इसलिए वह सिर्फ क्रेडिट लेने की होड़ मे लगे रहते हैं।

मंत्री कैलाश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा था। ईडी-सीबीआई के छापे मारे जा रहे थे। ईडी के दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था। उनके घर पर आयकर के छापे मारे जा रहे थे। गहलोत के ऊपर ईडी, आयकर समेत तमाम तरीके का दबाव था।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा गहलोत के ऊपर ईडी-सीबीआई के कई मामले चल रहे थे। उनके परिवार पर भी चल रहे थे इसलिए उन्होंने जेल के संघर्ष से बेहतर भाजपा में शामिल होना समझा।

भाजपा के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, कैलाश गहलोत का इस्तीफा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष और आक्रोश का लावा है, क्योंकि दिल्ली की बुनियादी समस्याओं को हल करने में दिल्ली सरकार पूरी तरफ़ विफल साबित हुई है और दिल्ली के लोगों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया है।

'बेटियों को मिलने वाला सोने का सिक्का आलमगीर खा गया'

रांची, 17 नवंबर। असम के मुख्यमंत्री एवं भाजपा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने आज महगामा में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान सरमा ने सहारा का जिक्र करते हुए कहा कि, सहारा में जिसका पैसा डूबा है, भाजपा सरकार बनते ही पाई-पाई लौटा देंगे। उन्होंने हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए, उनके वादे को याद दिलाया। कहा कि, जब लड़कियों की शादी होगी तो उनको सोने का सिक्का मिलेगा, ये सोने का सिक्का कहां गया? ये सोना का सिक्का आलमगीर आलम खा गया।

सरमा ने झामुमो-कांग्रेस-राजद पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, जामताड़ा, राजगोहाल और पाकुड़ में था। लोगों ने मुझे बताया कि जामताड़ा पाकुड़ साहिबगंज में शुक्रवार को स्कूल बंद होते

■ हिमन्ता बिस्वा सरमा ने झारखंड की चुनाव सभाओं में आरोप लगाया।

हैं, क्योंकि लोगों को नमाज पढ़ ना होती है। सरमा ने कहा कि, अगर शुक्रवार को नमाज पढ़ ने के लिए स्कूल बंद होते हैं, तो मंगलवार को भी हनुमान पूजा के लिए बंद होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि, जो लोग शुक्रवार को स्कूल बंद करते हैं, उनको वोट नहीं देना है। रामनवमी का अगर कोई जुलूस निकलना चाहता हैं, दुर्गा पूजा का विसर्जन करने नहीं देते, लोहरदगा में विसर्जन करने नहीं देते। लेकिन मोहर्रम पर शोभा यात्रा निकाली जाती है, जुलूस निकलते हैं। मोहर्रम का जुलूस होता है तो हमारे हिंदू भाइयों को पीटा जाता है और पुलिस कुछ नहीं करती। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि झारखंड सरकार को सिर्फ घुसपैठियों से प्यार है। उन्होंने कहा कि, झामुमो-कांग्रेस-राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि, ये घुसपैठियों की सरकार है। हेमंत सोरेन हमारे झारखंड के मुख्यमंत्री हैं। विधानसभा में नमाज पढ़ ने के लिए रूम बना देते हैं, तो क्या हमारे हिंदू भाईयों को हनुमान चालीसा पढ़ ने के लिए अलग रूम नहीं चाहिए? उन्होंने कहा कि, हमारे संथाल परगना में 1951 में 23 लाख हिंदू थे और दो लाख मुसलमान थे। हिंदू 1951 में 90 प्रतिशत थे, लेकिन आज हिंदू घटकर 67 प्रतिशत हो गए और मुसलमान बढ़ कर 31 प्रतिशत।

हिजबुल्लाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमले में हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता मोहम्मद अफीफ की मौत हो गई। सितंबर में इज़रायल की सैन्य कार्रवाई में वृद्धि होने और लंबे समय से हिजबुल्ला के नेता रहे हसन नसरल्ला के मारे जाने के बाद, अफीफ अपने संगठन का मीडिया में पक्ष रख रहा था। अब इज़रायली सेना ने उसे भी ढे र कर दिया।

मोहम्मद अफीक के मारे जाने से पहले इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर शनिवार को फिर 2 रॉकेट से हमला किया गया था। इज़रायली सेना के अनुसार, आग के 2 धधकते गोले नेतन्याहू के आवासीय परिसर में गिरे थे।

हालांकि इस दौरान प्रधानमंत्री और उनका परिवार वहां मौजूद नहीं था। इससे पहले अक्टूबर में भी बेंजामिन नेतन्याहू के घर ड्रोन हमला किया गया था। बाद में हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। तब भी नेतन्याहू हमले में बाल-बाल बच गए थे।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के लिए भी वॉर्निंग जारी की गई है।

मौसम विभाग ने एक्स पर लिखा "17 नवंबर की देर रात और 18 नवंबर की सुबह हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में घना से लेकर बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और उसके बाद 24 घंटों तक घना कोहरा छाया रहेगा।"

दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को और खराब हो गई तथा वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 441 रहा, जिससे दिल्ली देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया। राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई शाम चार बजे 441 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। शनिवार को एक्यूआई 417 था। देश के चार शहरों में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार हरियाणा के बहादुरगढ़ में सबसे अधिक 445 एक्यूआई रहा, इसके बाद दिल्ली में 441, हरियाणा के भिवानी में 415 और राजस्थान के बीकानेर में 404 एक्यूआई दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धीरज सरना ने किया है। फिल्म गोधरा की घटना पर आधारित है। गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस को जलाए जाने के बाद गुजरात के कई हिस्सों में दंगे भड़क उठे थे। इस फिल्म में मुख्य किरदार की भूमिका विक्रांत मैसी निभा रहे हैं। यह फिल्म 15 नवंबर को रिलीज हुई। एक एक्स यूजर ने अपनी संक्षिप्त समीक्षा में कहा कि निर्माताओं ने इस मुद्दे को बहुत संवेदनशीलता और गरिमा के साथ संभाला है। यूज़र ने यह भी दावा किया कि इस घटना का एक "निहित स्वार्थ समूह" द्वारा राजनीतिकरण किया गया और इसे "एक नेता की छवि को धूमिल करने" के अवसर के रूप में इस्तेमाल किया गया।

'जिन्हें संविधान की जानकारी नहीं, वे उसकी प्रति दिखा कर ढोंग कर रहे हैं'

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि हेमन्त सोरेन की छल-कपट वाली सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार बढ़ाया

बोकारो, 17 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की सरकार पर रविवार को तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिन्हें संविधान की जानकारी तक नहीं है, वो संविधान की प्रति दिखा ढ ोंग कर जनता को गुमराह करने में लगे हैं।

नड्डा ने आज बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के मंजूरा स्थित सपाहीटांड़ में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए झामुमो-कांग्रेस एवं राजद पर हमला बोलते हुए यह भी कहा कि आगामी 23 नवंबर के बाद झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को जनता उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की छल-कपट वाली सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ ावा दिया है।

■ बोकारो जिले की चुनाव सभाओं में नड्डा ने कहा, झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हैं और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 236 करोड़ के जमीन घोटाले में जमानत पर हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। खुद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 236 करोड़ रुपए के जमीन घोटाले के आरोपी हैं, जो फिलहाल जमानत पर हैं।

झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को मदरसों में पनाह देने के साथ ही उनके आधार कार्ड, वोटर कार्ड बनाने से लेकर उन्हें सभी सुविधाएं मुहैया करवा रही है।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आदिवासी, दलित समेत सभी समुदाय को साथ लेकर चल रही है। केंद्र सरकार आयुष्मान, उज्ज्वला योजना से लेकर दर्जनों कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को सुविधा दे रही है। मोदी सरकार में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से निकलकर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।

चुनावी सभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन समर्थित आजसू पार्टी के गोमिया विधानसभा प्रत्याशी डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि विधायक बनने के बाद दो साल को कोरोना ने छीन लिया।

इसके बावजूद महज तीन वर्षों में विकास के इतने कार्य कर दिखाए, जितने पिछले किसी भी विधायक के कार्यकाल में नहीं हुए। विकास की यह रफ्तार न रुके, इसलिए उन्हें पुनः मौका दें।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908